



Sat - 10 Oct- 2026

Year - 01

Issue 199

Page - 01

Rs. - 5

www.azadvaani.com

पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए भगवंत मान ने शुरू किया निर्णायक अभियान, 23 जिलों से गुजरेगी बाइक रैली



मोहाली, 10 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने चप्पड़चिड़ी से 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान के निर्णायक चरण की शुरुआत करते हुए बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली राज्य के सभी 23 जिलों में जाकर लोगों को नशों के खिलाफ जागरूक करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशों को पंजाब में चोरी-छिपे भी बिकने नहीं दिया जाएगा और इस लड़ाई को जन आंदोलन बनाया जाएगा।

रैली के साथ सुझाव और शिकायत बॉक्स भी ले जाया जाएगा, ताकि लोग नशा तस्करी से जुड़ी जानकारी और अपने सुझाव साझा कर सकें। मुख्यमंत्री ने युवाओं से नशों से दूर रहकर शिक्षा और खेलों को अपनाने की अपील की।

दिवाली से पहले पंजाब के ग्रुप-डी कर्मचारियों को मिलेगा 10,000 रुपये का ब्याज मुक्त त्योहार अग्रिम: हरपाल सिंह चीमा



चंडीगढ़, 10 अक्टूबर। पंजाब सरकार दिवाली से पहले राज्य के चतुर्थ श्रेणी (ग्रुप-डी) कर्मचारियों को 10,000 रुपये का ब्याज मुक्त त्योहार अग्रिम देगी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को त्योहार के दौरान अपने परिवारों के साथ खुशियां मनाने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के तहत 20 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। राज्य के लगभग 34,604 ग्रुप-डी कर्मचारी इस सुविधा के पात्र होंगे। हालांकि, यदि सभी पात्र कर्मचारी अग्रिम राशि लेते हैं, तो सरकार का कुल संभावित खर्च 34.60 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

चीमा ने कहा कि 8 नवंबर को मनाई जाने वाली दिवाली से पहले कर्मचारियों को 6 नवंबर, 2026 तक कोषागार से अग्रिम राशि निकलवाने की अनुमति दी गई है।

ईमानदारी मेरी सबसे बड़ी पूंजी, पंजाब के अधिकारों से समझौता नहीं करूंगा: मुख्यमंत्री भगवंत मान



बल्लरां, 10 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ईमानदारी और जनसेवा उनकी राजनीति का मूल आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के अधिकारों के लिए आवाज उठाने के कारण भाजपा उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है। संगरूर जिले के गांव बल्लरां में आयोजित 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य सत्ता के जरिए निजी हित साधना नहीं, बल्कि तीन करोड़ पंजाबियों के सुख-दुख में भागीदार बनना है।

बल्लरां में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान विपक्ष पर साधा निशाना, 70,680 से अधिक सरकारी नौकरियां देने का किया दावा

बल्लरां, 10 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ईमानदारी और जनसेवा उनकी राजनीति का मूल आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के अधिकारों के लिए आवाज उठाने के कारण भाजपा उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है। संगरूर जिले के गांव बल्लरां में आयोजित 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री

ने कहा कि उनका उद्देश्य सत्ता के जरिए निजी हित साधना नहीं, बल्कि तीन करोड़ पंजाबियों के सुख-दुख में भागीदार बनना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक राजनीतिक पार्टियां पंजाब के संसाधनों पर दोबारा कब्जा करने के लिए सत्ता हासिल करना चाहती हैं, जबकि उनकी सरकार शिक्षा, रोजगार और विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में अब तक 70,680 से अधिक युवाओं को बिना रिश्तत और राजनीतिक सिफारिश के योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

मान ने बताया कि बल्लरां के विकास के लिए 35 लाख रुपये और पड़ोसी गांव लहल खुर्द के लिए 25 लाख रुपये के अनुदान जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों को रुकने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बदले की राजनीति में विश्वास नहीं रखती और युवाओं को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें उच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने दावा किया कि पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक

घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है। मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत प्रत्येक परिवार को सालाना 10 लाख रुपये तक के कैंशलेस इलाज की सुविधा देने तथा मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना के तहत पात्र महिलाओं के खातों में मासिक सहायता राशि भेजने का भी उल्लेख किया।

शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों से नीट परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 2021 में 80 थी, जो 2026 में बढ़कर 882 हो गई। उन्होंने इसे शिक्षा व्यवस्था में सुधार का संकेत बताया।

सिंचाई और बुनियादी ढांचे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1,587 गांवों के खेतों तक पहली बार नहरी पानी पहुंचा है। उनके अनुसार, नहरी सिंचाई का दायरा 26 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया है और लगभग 45,000 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण एवं उन्नयन का काम किया जा रहा है। युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए 3,100 स्टेडियम विकसित करने की योजना का भी उल्लेख किया।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 57 कैडेटों ने पास की एनडीए लिखित परीक्षा, 87.7% सफलता के साथ बनाया रिकॉर्ड

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर। पंजाब के मोहाली स्थित महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एमआरएसएफपीआई) के कैडेटों ने एनडीए (II) की लिखित परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान के इतिहास में अब तक की सर्वश्रेष्ठ सफलता दर्ज की है। संस्थान के 65 कैडेटों में से 57 ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जिससे सफलता दर 87.7 प्रतिशत रही। सफल कैडेट जून 2027 में शुरू होने वाले प्रतिष्ठित एनडीए-158 पाठ्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

नियमित कैडेटों के अतिरिक्त, संस्थान में दो महीने के कैंश कोर्स में प्रशिक्षण लेने वाले 30 उम्मीदवारों में से सात ने भी परीक्षा पास की है। अब सफल उम्मीदवार भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने की दिशा में अगले महत्वपूर्ण चरण सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) के साक्षात्कार की तैयारी करेंगे।

कैडेटों की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये युवा पंजाब का गौरव हैं और उनकी मेहनत, लगन तथा अनुशासन ने राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने कैडेटों को आगामी एसएसबी साक्षात्कार और प्रशिक्षण के लिए

शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे भविष्य में देश की सेवा करने के अपने सपने को साकार करेंगे।

अमन अरोड़ा ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। इस सफलता से संस्थान की प्रतिष्ठा भी और मजबूत हुई है।

संस्थान के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने सफल कैडेटों को बधाई देते हुए उन्हें एसएसबी साक्षात्कार में भी इसी उत्साह, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संस्थान के समर्पित शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की, जिनकी मेहनत ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निदेशक ने बताया कि संस्थान के 15 कैडेट दिसंबर 2026 में शुरू होने वाले एनडीए, टीईएस और नेवल अकादमी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉल लेटर मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह उपलब्धि पंजाब के

युवाओं में रक्षा सेवाओं के प्रति बढ़ते रुझान और देश सेवा के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था और कैडेटों की तैयारी को इस सफलता का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। लिखित परीक्षा में इतने बड़े स्तर पर सफलता हासिल करना कैडेटों की निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण को दर्शाता है। आगामी एसएसबी साक्षात्कार में उम्मीदवारों को अपनी नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व, निर्णय लेने की योग्यता और अधिकारी बनने की उपयुक्तता साबित करने का अवसर मिलेगा।



अमृतसर में हथियारों और नशा तस्करी के दो नेटवर्क का पर्दाफाश, एम-16 राइफल व दो जिगाना पिस्तौल समेत 10 हथियार बरामद



चंडीगढ़/अमृतसर, 10 अक्टूबर। पंजाब में नशा तस्करी और अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर एक अत्याधुनिक एम-16 राइफल, नौ अवैध पिस्तौल, 25 जिंदा कारतूस और 15 किलोग्राम अफीम बरामद की है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इस कार्रवाई से अवैध हथियारों और नशा तस्करी से जुड़े दो नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

पहले मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मलकीत सिंह उर्फ मीता (32), निवासी गांव मंझ और गुरजीत सिंह (32), निवासी गांव सारंगड़ा, अमृतसर के रूप में हुई है। थाना घरिंडा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 15 किलोग्राम अफीम और अमेरिका में निर्मित एक संशोधित एम-16 राइफल बरामद हुई।

पुलिस महानिरीक्षक, बॉर्डर रेंज, गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, दोनों आरोपियों के पास भारत-पाकिस्तान सीमा पर लगी कंटीली तार के निकट लगभग 10 से 15 किल्ले कृषि भूमि है। पुलिस को संदेह है कि इस जमीन का इस्तेमाल सीमा पार से खेप प्राप्त करने के लिए किया जा रहा था। मामले में सीमा पार संपर्कों और अन्य संभावित सहयोगियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

दूसरे अभियान में अमृतसर ग्रामीण पुलिस की विशेष टीम ने लोपोके क्षेत्र में दाना मंडी के निकट अमृतपाल सिंह (26) और सतनाम सिंह (29), दोनों निवासी गांव कक्कड़ कलां, को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले पांच विदेशी पिस्तौल बरामद किए। पूछताछ के दौरान चार अन्य पिस्तौल भी बरामद हुए। कुल नौ पिस्तौलों में दो जिगाना, छह .30 बोर और एक .32 बोर पिस्तौल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की एचएफ-डीलक्स मंडीजीपी गौरव यादव के अनुसार, प्रारंभिक जांच में गिरफ्तार आरोपियों के विदेशी तस्करों के संपर्क में होने की बात सामने आई है।

अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ पहले भी छेहरता थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

Advertisement

Are you looking for a reliable EMAIL SERVICE PROVIDER?

Choose the best suitable plan for your business from **SquareNet**

Secure & Reliable

Professional Email

Cloud Integration

24/7 Expert Support

Scalable for Every Business

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com

mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

पंचकूला में विश्वमांगल्य सभा का मातृ-सम्मेलन, ‘मातृ निर्माण से राष्ट्र निर्माण’ का दिया संदेश



पंचकूला, 10 अक्टूबर। विश्वमांगल्य सभा, हरियाणा प्रांत की ओर से शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के ऑडिटोरियम में भव्य मातृ-सम्मेलन आयोजित किया गया। ‘मातृ निर्माण से राष्ट्र निर्माण’ के ध्येय के साथ आयोजित इस सम्मेलन में मातृत्व के महत्व, परिवार की मजबूती, बच्चों के संस्कार और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी गणमान्य महिलाओं और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।

सम्मेलन का शुभारंभ भरतनाट्यम की सांस्कृतिक प्रस्तुति, दीप प्रज्वलन और शक्ति गान के साथ हुआ। मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। श्रीमती संगीता बैसला ने मंच संचालन किया, जबकि श्रीमती किरण मलिक ने आयोजन का समन्वय संभालते हुए कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। सुश्री पूजा माधव देशमुख ने विश्वमांगल्य सभा की विचारधारा, भूमिका और संकल्पों की जानकारी दी।

सम्मेलन में माताओं को बच्चों को साहसी, आत्मनिर्भर और पुरुषार्थी बनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व, अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सशक्त परिवार सुखी समाज की नींव है। परिवार व्यवस्था को मजबूत बनाना और सामाजिक कुरीतियों को दूर करना समय की आवश्यकता है।

श्रीमती गीता धामी ने आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं की सराहना की। उन्होंने हरियाणा आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान मातृत्व के महत्व, एकल परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके संभावित समाधानों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सेक्टर-19 डी में MPLADS फंड से लगाए गए CCTV कैमरों का सांसद मनीष तिवारी ने किया उद्घाटन



चंडीगढ़, 10 अक्टूबर। चंडीगढ़ के सेक्टर-19 डी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सांसद मनीष तिवारी ने MPLADS फंड से स्थापित CCTV कैमरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सेक्टर-19 डी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी, स्थानीय निवासी और क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लिया और इस पहल का स्वागत किया।

सेक्टर-19 डी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट भूपिंदर सिंह गिल ने बताया कि क्षेत्र में CCTV कैमरों की स्थापना का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों की निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाना और निवासियों की सुरक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक निगरानी व्यवस्था से क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि CCTV कैमरों की स्थापना से स्थानीय निवासियों में सुरक्षा की भावना मजबूत होने की उम्मीद है। सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी की सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित करने में सहायता मिल सकती है। यह पहल सेक्टर-19 डी के निवासियों की सुरक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एडवोकेट भूपिंदर सिंह गिल ने कहा कि सांसद मनीष तिवारी ने MPLADS फंड के माध्यम से चंडीगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए सहयोग प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में जनप्रतिनिधियों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर AIAMSWP ने सामाजिक कार्य पेशेवरों की आत्म-देखभाल पर दिया जोर



पुनीत महाजन | चंडीगढ़, 10 अक्टूबर 2026। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स (AIAMSWP) ने मनोचिकित्सा विभाग, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (GMCH), सेक्टर-32, चंडीगढ़ के सहयोग से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। इस अवसर पर सामाजिक कार्य पेशेवरों के मानसिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक कल्याण और आत्म-देखभाल के महत्व को रेखांकित किया गया।

GMCH परिसर में दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक आयोजित कार्यक्रम की थीम “आप दूसरों की देखभाल कर रहे हैं, लेकिन क्या आप अपनी देखभाल कर रहे हैं?” रही। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को कठिन परिस्थितियों में भावनात्मक एवं मनोसामाजिक सहयोग देने वाले पेशेवरों को अपनी मानसिक सेहत के प्रति जागरूक करना और आत्म-देखभाल के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश कुमार साहू ने मुख्य वक्ता एवं संसाधन विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने मेडिकल सोशल वर्क पेशेवरों के सामने आने वाली मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि ये पेशेवर मरीजों और उनके परिवारों के मुश्किल समय में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाते हैं। वे चिकित्सा उपचार और मनोसामाजिक सहयोग एवं पुनर्वास के बीच एक अहम कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

डॉ. साहू ने कहा कि लगातार मरीजों और उनके परिजनों की समस्याएं सुनने, उनकी भावनात्मक परेशानियों को समझने और कठिन परिस्थितियों में सहयोग देने के कारण सामाजिक कार्य पेशेवर कई बार अपने मानसिक स्वास्थ्य तथा व्यक्तिगत कल्याण की अनदेखी कर देते हैं। ऐसे में उनके लिए अपनी भावनात्मक जरूरतों को समझना और मानसिक संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है।

उन्होंने तनाव प्रबंधन, आत्म-देखभाल, कार्य और निजी जीवन के बीच संतुलन तथा मानसिक एवं मनोसामाजिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूसरों की देखभाल करने वाले पेशेवरों को भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि उनका भावनात्मक कल्याण उनके कार्य और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा है।

AIAMSWP के महासचिव राघवेंद्र कुमार राय ने मरीजों और उनकी देखभाल करने वाले परिजनों की मनोसामाजिक जरूरतों को पूरा करने में सामाजिक

कार्य पेशेवरों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए इन पेशेवरों के योगदान को उचित पहचान देना और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करना आवश्यक है।

कार्यक्रम में GMCH, चंडीगढ़ के मेडिकल सोशल वेलफेयर अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन सचिव के रूप में जसवीर सिंह, कार्यक्रम समन्वयक के रूप में डॉ. जसविंदर कौर और संयोजक के रूप में रविंदर ने जिम्मेदारियां निभाईं। विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए जगप्रीत, चारू, सुनील, मंजू, रुपिंदर और चंचल भी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान दिया।

कार्यक्रम का समापन मरीजों और उनके परिजनों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने और उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के संकल्प के साथ हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों को जरूरत पड़ने पर आशा हेल्पलाइन 0172-2660078 और 0172-2660178 तथा टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

धर्मपुर की जुड़वां बहनों ने ताइक्वांडो में जीते स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय स्कूली खेलों में चयन

पुनीत महाजन | बड़ी, 10 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के धर्मपुर क्षेत्र की जुड़वां बहनों शेफाली और श्वेता ठाकुर ने ताइक्वांडो में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चंडीगढ़ में आयोजित इंटरस्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दोनों बहनों ने अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस उपलब्धि के आधार पर दोनों का चयन 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता अक्टूबर में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित होगी।

चैंपियनशिप में शेफाली ठाकुर ने 42 किलोग्राम भार वर्ग में, जबकि श्वेता ठाकुर ने 44 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर प्राप्त किया। उनकी इस सफलता से परिवार, स्कूल और ताइक्वांडो अकादमी में खुशी का माहौल है।

दोनों बहनें पिछले सात वर्षों से लगातार ताइक्वांडो का प्रशिक्षण ले रही हैं। नियमित अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। वर्षों की मेहनत के बाद मिली इस उपलब्धि ने उनकी प्रतिभा और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को सामने लाया है। अब दोनों का लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतना है।

श्वेता ठाकुर इससे पहले मध्य प्रदेश के विदिशा और भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दो बार भाग ले चुकी हैं। अब जुड़वां बहनों को एक साथ राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। दोनों खिलाड़ी इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी में जुटी हैं और देशभर से आने वाले खिलाड़ियों के बीच बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रयासरत हैं।

शेफाली और श्वेता वर्तमान में दिव्या पब्लिक स्कूल-44, चंडीगढ़ की छात्राएं हैं। दोनों यूनिवर्सल ताइक्वांडो अकादमी में कोच गौरव सैनी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। कोचिंग, नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ वे अपनी तकनीक तथा खेल कौशल को लगातार बेहतर बनाने में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन उनके खेल जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

दोनों के पिता रजत ठाकुर हिमाचल प्रदेश में वाणिज्य प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं और बड़ी के एक स्कूल में तैनात हैं। वह मंडी जिले के धर्मपुर क्षेत्र के गांव छापनू से संबंध रखते हैं। बेटियों की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने इसे माता शीतला का आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बेटियों की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण पर गर्व है।

शेफाली और श्वेता की सफलता ने उनके परिवार के साथ-साथ उनके स्कूल, अकादमी और धर्मपुर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। जुड़वां बहनों की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। अब सभी की निगाहें श्रीनगर में होने वाली राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां दोनों खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश और अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने तथा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ

उतरेंगी।

जुड़वां बहनों की यह उपलब्धि दर्शाती है कि निरंतर अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण से खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की जा सकती हैं। सात वर्षों से ताइक्वांडो का प्रशिक्षण लेकर दोनों ने अपनी खेल प्रतिभा को निखारा है और अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त किया है।

शेफाली और श्वेता की सफलता के पीछे नियमित अभ्यास, अनुशासन और प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश महत्वपूर्ण रही है। ताइक्वांडो जैसे मार्शल आर्ट खेल में शारीरिक क्षमता के साथ-साथ एकाग्रता, फुर्ती और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता भी अहम होती है।

चंडीगढ़ में आयोजित इंटरस्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना दोनों खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अलग-अलग भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करते हुए उन्होंने अपनी मेहनत का परिणाम हासिल किया। इस प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिलाया है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों के बीच मुकाबला करना दोनों बहनों के लिए नया अनुभव होगा। इस मंच पर उन्हें अपनी तकनीक, गति और खेल कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से उनके खेल अनुभव में भी वृद्धि होगी।

खेलों में सफलता के लिए नियमित प्रशिक्षण के साथ मानसिक दृढ़ता भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मुकाबले के दौरान दबाव में शांत रहना, प्रतिद्वंद्वी की रणनीति को समझना और सही समय पर तकनीक का इस्तेमाल करना खिलाड़ी के प्रदर्शन को प्रभावित करता है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी में इन पहलुओं पर ध्यान देना दोनों खिलाड़ियों के लिए उपयोगी रहेगा।

यूनिवर्सल ताइक्वांडो अकादमी में कोच गौरव सैनी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही शेफाली और श्वेता लगातार अपने खेल को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास कर रही हैं। कोच के मार्गदर्शन में अभ्यास करना खिलाड़ियों को अपनी तकनीकी कमियों को पहचानने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद करता है।

दिव्या पब्लिक स्कूल-44, चंडीगढ़ में पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भाग लेना भी दोनों बहनों की दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाए रखना खिलाड़ियों के लिए जरूरी होता है। समय का उचित प्रबंधन उन्हें शैक्षणिक जिम्मेदारियों के साथ खेल में आगे बढ़ने में मदद कर सकता है।

श्वेता ठाकुर पहले भी विदिशा और भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। इस अनुभव से उन्हें बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों को समझने का अवसर मिला है। अब राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में दोनों बहनों की भागीदारी उनके लिए एक और महत्वपूर्ण अनुभव

साबित हो सकती है।

रजत ठाकुर की बेटियों की उपलब्धि से धर्मपुर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। खेलों में बेटियों की भागीदारी और उनकी उपलब्धियां परिवारों तथा विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों के प्रति प्रेरित कर सकती हैं। शेफाली और श्वेता की सफलता क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

अब अक्टूबर में श्रीनगर में होने वाली 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में दोनों बहनों के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें रहेंगी। स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई शेफाली और श्वेता ठाकुर का अगला लक्ष्य अपने अनुभव और प्रशिक्षण के दम पर बेहतर प्रदर्शन करना है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करेंगी।

शेफाली और श्वेता ठाकुर की उपलब्धि यह भी संदेश देती है कि खेलों में निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़कर सफलता हासिल की जा सकती है।



रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 ने रचा इतिहास, एक दिन में 83 रक्तदान शिविरों से जुटाई 5,721 यूनिट रक्त



चंडीगढ़, 10 अक्टूबर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 ने रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 25 सितंबर 2026 को एक ही दिन में 83 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों के माध्यम से कुल 5,721 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस अभियान में 100 से अधिक रोटरी क्लबों और 20 रोटरेक्ट क्लबों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया गया है।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डॉ. रीटा कालरा और रोटेरियन डॉ. संजय कालरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का नेतृत्व डिस्ट्रिक्ट ब्लड डोनेशन चेयर रोटेरियन डॉ. पंकज कपूर ने किया। अभियान को सफल बनाने में प्रोजेक्ट चेयरमैन विंग कमांडर (डॉ.) जे. एस. मिन्हास, वाइस चेयरमैन आर. एस. चीमा, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एस. पी. ओझा और अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. पंकज कपूर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या क्लब की सफलता नहीं, बल्कि पूरे रोटरी परिवार, स्वयंसेवकों और रक्तदाताओं के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल रक्त संग्रह का आंकड़ा नहीं, बल्कि पूरे डिस्ट्रिक्ट में दिखाई दिया उत्साह, एकजुटता और मानव सेवा का जज्बा है।

पंचकूला में कूड़े को लेकर बढ़ा विवाद, चौंकी गांव में ग्रामीणों ने रोकी कूड़े की गाड़ियां



पंचकूला। पंचकूला के चौंकी गांव में कूड़ा डालने को लेकर विवाद गहरा गया है। गांव में कूड़ा फेंके जाने के विरोध में ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने कूड़ा लेकर आ रही गाड़ियों को बीच रास्ते में रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में कूड़े के निपटान और ग्रामीणों की आपत्तियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

पंचकूला। पंचकूला के चौंकी गांव में कूड़ा डालने को लेकर विवाद गहरा गया है। गांव में कूड़ा फेंके जाने के विरोध में ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने कूड़ा लेकर आ रही गाड़ियों को बीच रास्ते में रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में कूड़े के निपटान और ग्रामीणों की आपत्तियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

इस घटनाक्रम ने कचरा प्रबंधन को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण आखिर किस परिस्थिति में सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए? गांव में कूड़ा डालने को लेकर उनकी मुख्य आपत्तियां क्या हैं? इन सवालों पर प्रशासन की ओर से स्थिति स्पष्ट किया जाना महत्वपूर्ण होगा।

कूड़े के उचित निपटान की व्यवस्था शहरों और गांवों, दोनों के लिए जरूरी है। इसके लिए निर्धारित स्थानों पर कचरे का निपटान, नियमित उठान और आसपास के क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखना अहम होता है। ऐसे में ग्रामीणों का विरोध इस बात की ओर ध्यान दिलाता है कि कचरा प्रबंधन से जुड़े फैसलों में स्थानीय लोगों की चिंताओं और समस्याओं को भी सुना जाना चाहिए।

चौंकी गांव में कूड़े की गाड़ियों को रोके जाने के बाद अब सबकी निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर हैं। ग्रामीणों की मांगों पर किस तरह विचार किया जाता है और कूड़ा निपटान को लेकर क्या समाधान निकाला जाता है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। फिलहाल ग्रामीणों का संदेश साफ है

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015